सभा तक पहुंचे बैंकिंग और वित्तीय योजनाओं का लाभ

- रि-केवाइसी शिविर में ओरमांझी पहुंचे भारतीय रिज़र्व बैंक के उप-गवर्नर एम. राजेश्वर राव
- देशभर में रिजर्व बैंक की ओर से शिविर लगाकर किया जा रहा बैंक खाता धारकों का केवाइसी

ओरमांझी के ग्राम पंचायत भवन में आयोजित वित्तीय समावेशन पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय रिज़र्व बैंक के उप-गवर्नर एम. राजेश्वर राव व अन्य जागरण

जागरण संवाददाता, रांची : वित्तीय सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के उप-गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने आरबीआइ रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह और आरबीआइ ओंबड्समैन मनोज रंजन ने शुक्रवार को ओरमांझी ग्राम पंचायत में आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्तीकरण शिविर का दौरा किया। इस दौरान बैंक आफ इंडिया के महाप्रबंधक गुरुप्रसाद गोंड और एसएलबीसी झारखंड के अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस क्रम में उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन-जन को वित्तीय एवं बैंकिंग सुविधाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से जोड़ें। उन्होंने बताया कि बैंक खातों में दोबारा केवाईसी करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक और वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने संयुक्त रूप से एक अभिनव पहल के रूप में इस वर्ष एक जुलाई से 30 सितंबर तक देश भर के समस्त ग्राम पंचायतों में सघन वित्तीय समावेशन संतृप्तीकरण अभियान चलाया जा रहा है। शिविर में शुक्रवार तक 3965 खातों का दोबारा केवाईसी सफलतापूर्वक संपन्न किया गया एवं शिविर के दौरान सात हज़ार से ज्यादा ग्राहकों ने बीमा योजनाओं में अपना नाम दर्ज कराया।

शिविर में बैंक आफ इंडिया, ओरमांझी शाखा, बैंक आफ बड़ौदा, यूनियन बैंक आफ इंडिया, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, केनरा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक आदि ने शिविर में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य में कुल 3436 बैंक शाखाएं और 110973 सक्रिय व्यवसाय प्रतिनिधि (बीसी) हैं। खातों की पुनः केवाईसी करने के लिए बैंक अपने बीसी नेटवर्क का लाभ उठाकर, दोबारा केवाईसी करें। री-केवाईसी अभियान समावेशी सेवा वितरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण क़दम है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि कोई भी ग्राहक लाभ से वंचित न रहे।

सभी के लिए बैंकिंग : प्रेम

भारतीय रिज़र्व बैंक, रांची कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और वित्तीय समावेशन संतृप्ति का यह सघन अभियान, विशेषकर ग्रामीण भारतवासियों के वित्तीय सशक्तीकरण की दिशा में उल्लेखनीय महाअनुष्ठान की तरह है। भारतीय रिज़र्व बैंक, रांची कार्यालय द्वारा पिछले वर्ष अक्तूबर 2024 से इस तरह के विशेष प्रयास किये जा रहे हैं, जिसके तहत 12 लाख से अधिक खातों में पुनः केवाईसी प्रक्रिया पूरी की गई है।